

राज
कोमिक्स
विशेषांक
मूल्य 30.00 शतक 2308

आतंककारी बादशाह व्यूमेरो अगो

Part-2



जो मानवता का कतिल बनेगा उसे डसेगा...

ब्लैक राइड

जो रेंग रहा है हर उस
शैतान की तलाश में
जो मानवता के
ख चैन में आतंक का जहर
भर रहा है।

सावधान!

इस बार नागराज का निखन है-

स्पेन

संजय गुप्ता पेश करते हैं!

ब्लू मेरो अटो

राज कॉमिक्स है मेरा **जनून!!**

परिक्ल्पना	विवेक मोहन, शिवांग
लेखक	: संजय गुप्ता, तरुण कुमार वादी
पेंसिलिंग	: ललित कुमार शर्मा
इंकिंग	: जगदीश कुमार
क्लर इफेक्ट्स	: नगेन्द्र, जॉन पॉलोस,
	रोजो जॉन, सादिल
सम्पादक	: मनीष गुप्ता



"साशा का फ्लैट -"

"समय 4:00 AM -"

"सहज पांच घंटे पहले साशा के हाथों एक निर्दोष पिज्जा डिलीवरी ड्राय की मौत हो गई थी -"

"एक आम लड़की की तरह -"

"वह डरी और सहमी हुई थी -"

पहले ये बताओ कि बिस्की में सोडा लोग या पानी ?

नागराज ! मैं तुम्हें एक बात तो बताना भूल ही गई !

मैं सिर्फ दूध पीता हूँ !

दूध ?

हां !

सबसे कम करो ! जल्दी बनाओ !

सोडा या पानी ?

मैं बिस्की नहीं पीता, क्योंकि जहर ओजोनी ही मेरे अंदर बहता है !

"मैंने साशा को अंजल देने की पूरी कोशिश की -"

"फिलहाल वह नॉर्मल है -"

नागराज ! तुम्हारे लिए दूध !

थैंक्यू !

नागराज ! सुना है ! सांघ को दूध पिलाओ तो वो वो हमारे से बाज नहीं आता !

सांघ को जब तक भेजा जा सके, वो नहीं डरता !

"अर्री... या शायद नहीं -"

बचो!

उफ!

युं ही
लेटी रहो!

उसने बहुत छोड़
लीं! छोड़ने की बारी
अब मेरी है!

त... तुमने अपनी
पीठ की ओर से भली हुई
शोलिया कैसे देख लीं?

" हमलावर जो भी है,
गज की पूरी सैमजीन
खाली करने पर उतार है."

" मुझे साधा की आंखों में
बाहर लटके हमलावर का
अक्स दिख गया था."

सांप कब्रों
से निकले?

लागराज!
वो यहां नहीं
है!

" अपनी कोड़िया नाकाम रहने के बाद
हमलावर रुकना नहीं चाहेगा."

"और मैं उसे जाने नहीं देना चाहूँगा।"

उसने मदद चुका दी-

मुझे की-

साहसात्म्य से आसपास
जवाब दिया।

ऊपर आते में
मैं तुम्हारी मदद कर
सकता हूँ।

थड

धाड

आँ!

आँ... आँ...

कुछ नेकंद
यहाँ नहीं आसुरद!

ये लो कभी
मे माथल के सुकसा
के गिरा।

नागराज! यही
मे बात थी, जो मैं तुम्हें
बताना भूल गई थी!

कि मेरी यहां
मौजूदगी तुम्हारे पूर्व
प्रेमी मारकोस को नाराज
गुजारेगी और वो मुझ पर
और तुम पर हमला कर सकता है!

हाँ! यही
बात थी!

ये हमला
उसी की चेतावनी
समझना!

तुम उड़ती
चिड़िया को भी
पकड़ सकती
हो!

ओफ़फ़!
फिर पुलिस!

तुम्हारे पड़ोसी
तुमसे डरे हुए और
परेशान रहते होंगे!

मगर उस पिज्जा
डिलीवरी दवाय की मौत
का मुझे अभी तक पुरान
है ...

मैं अपना
बुकसान बर्दाश्त
नहीं कर सकती!

मारकोस से अतीत
के संबंधों की सजा मेरे
साथ-साथ मेरे पड़ोसी
भी भुगतते हैं!

... जो के कारण
मामला शांत पड़ गया,
वरना मैं अरेस्ट होती!

मैड्रिड मिटी मार्केट परिया-

9:00 A.M. -

नागराज! अब
हम सीधे रेस्तरां में
जाकर रुकेंगे!

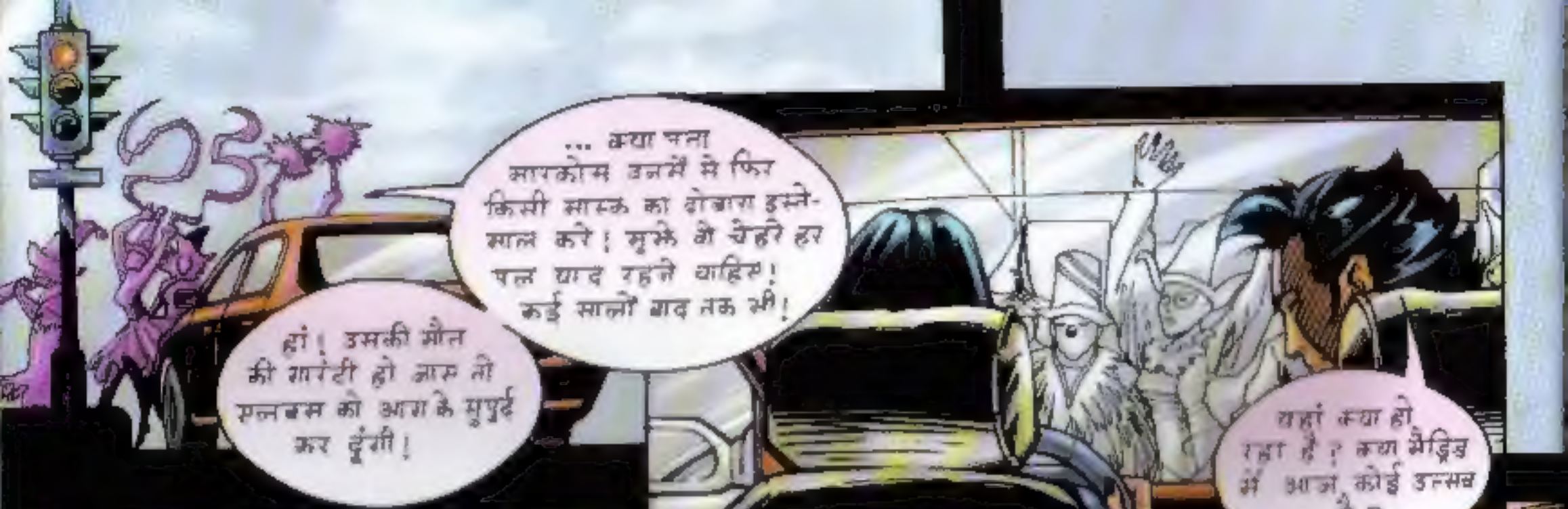
उफ़! पुलिस
की जांच ने पेट में चूहों
की कौड़ बढ़ा दी!

लेकिन तब
तक चुप तो ना
रहें!

साशा! एक बात बताओ!
अगर तुम मारकोस से नफरत करती
हो तो एलबम में उसके फोटोग्राफ
अब तक क्यों रखे हुए हो?

अपनी सुरक्षा
के लिए!

मैं उन चेहरों
की याद रखे रखना
चाहती हूँ नागराज...



हां! उसकी मौत की गारंटी हो जाए तो एलबम को आग के मुपुर्द कर देंगी!

... क्या पता मारकोस उनमें से फिर किसी सास्क का दोबारा इस्तेमाल करे! मुझे वो चेहरे हर पल घाद रहने चाहिए! कई सालों बाद तक भी!

यहां क्या हो रहा है? क्या मैड्रिड में आज कोई उत्सव है?



ये आज के उत्सव की नहीं, अगले हफ्ते बार्सिलोना में होने वाले बार्सिलोना-ला-मर्स फेस्टिवल की तैयारी है लागराज। प्रत्येक सितम्बर माह के अंतिम तीन दिनों में बार्सिलोना के पेट्रोज संत मेयर डियु की ला मर्स के सम्मान में एक स्ट्रीट पार्टी दी जाती है!



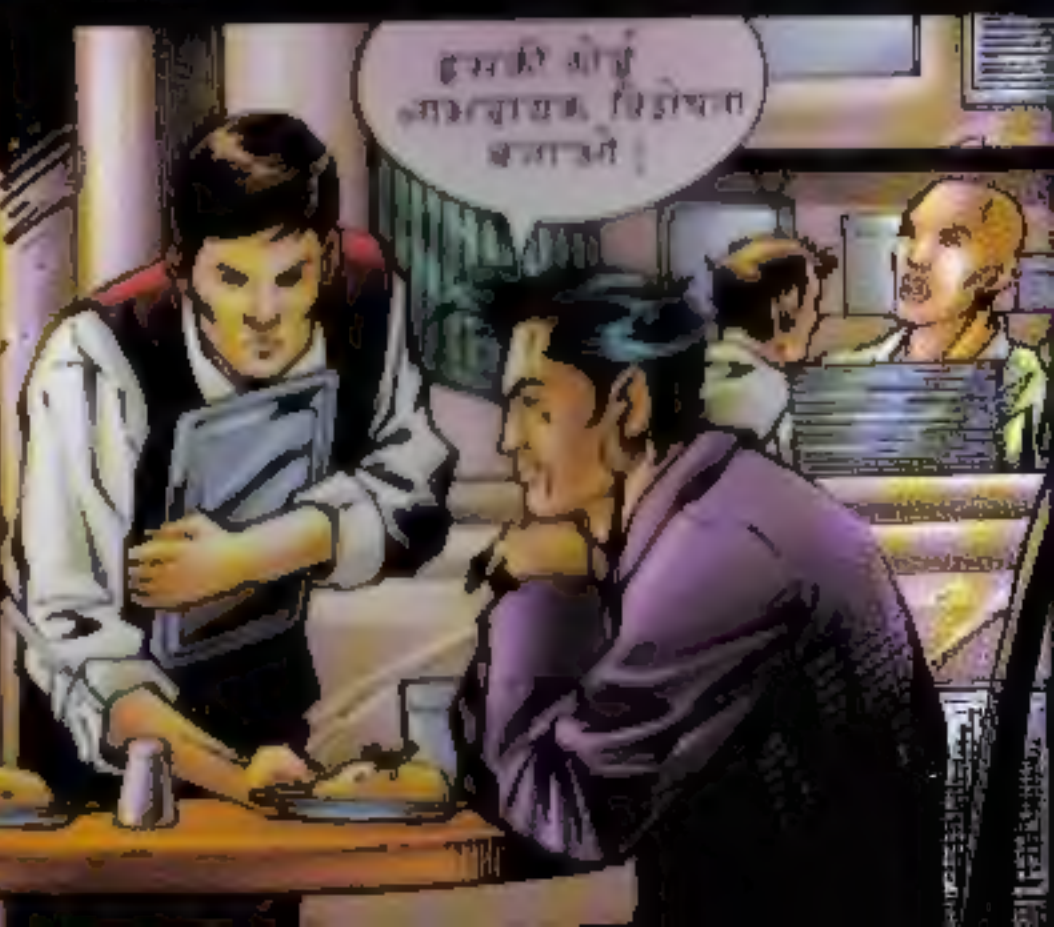
ये लोग उसी की रिहर्सल कर रहे हैं!

ओह!



फिर ब्रेक फास्ट के बाद-

लागराज! इसे ट्राई करो! ये मैड्रिड की रगम डिजा है!



इसकी जोड़ी लागराज, रिहर्सल बनाओ!



ये सास्वर के एक खूबसूरत हत्यारे बुचड़ की भी विशेष पसंद है!

चाहे अच्छी... या बुरी-

बड़ा अजीब सा संगीत है!

क्या ये मैड्रिड का खाम लोक संगीत है?

रेस्तरां के विशेष स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ लेने आए लोग जानते हैं कि यदि ये भीड़ा संगीत बजना है तो उन्हें तुरंत ये रेस्तरां खाली करना होता है!

अ... ऐसा क्यों?

नहीं लागगाज! ये संगीत नहीं, अलार्म है!... खतरे का अलार्म!

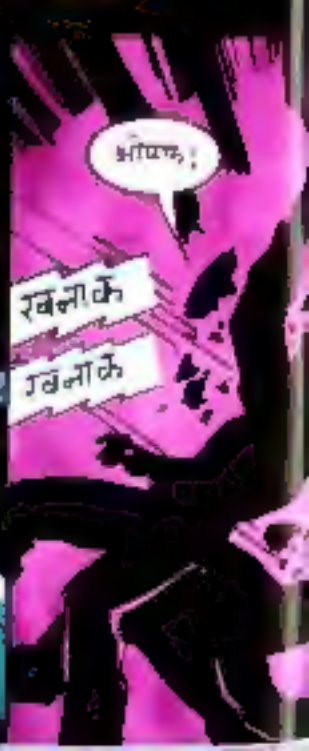
खामियार तो थी-



फोर कैप!



फोर कैप बुचड़ के लिए हफ्ता वसूली करते हैं! और यदि अलार्म के बाद भी इन्हें कोई ग्राहक रेस्तरां में बैठा दिख जाए तो...





हमने ही पता चला जाले की
हमने ही सागराज की कब्र खोजी
हई मरणा का नश्वरों में प्रकटी
हुई थी-

मुझसे हीने के बहुत
बोले थे। अब हमें किसी
को मर जाना पड़े है, वे देखना
सकाने।



सागराज
किसकी छीबना मन।
हमने ही नाक में धूल
कराती
था।



ये ज़िन्दगी
आजकल मे लीने
के लिए है।



हमने आगरा
में लीने की।



सागराज।
पुलिस के आगे
मरने हमने हीने
मन है।



अब ये पुलिस के जाने के बाद भी कभी खुद चलकर नहीं जा पाएंगे!

जो काम पुलिस को पहले करना चाहिए था, वो नुसले किए जागोज।

जागोज! ये सच है कि अगर पुलिस अपनी जिम्मेदारी ठीक से निभाए तो ऐसी घटनाओं को भले ही रोका जा सके, अगर इन पर काफी हद तक अंकुश लगाया जा सकता है!



पुलिस कार्यवाही के बाद -

जागोज का ब्रेकफास्ट में ही आग में!



क्षमा करना मैं भी यही कहने वाला था।

जागोज के ब्रेकफास्ट का बिल से नुसला कटता

ये नहीं हो सकता! जागोज सेरा मेहमान है।

जागोज! मैं इस रेस्तरां का मैनेजर हूँ, तुम जब चाहो यहां आकर खाना पी सकते हो। बिना कुछ चुकाना किया। ये हमारे रेस्तरां के लिए और पूरा मैनेजिंग के लिए सम्मान की बात होगी।

तब -

लोगों ने ज़िद्द करके कितना रक्ता-साथ ही पैसा करता दिया! वाह! ये 'चीज वर्ग' तो लाजवाब है!

और माहौल अब मैं समझ गया कि नुसले गले लगा लाई थी।

सचमुच! मैं डूब के लोग डूबदार हूँ।

इस सम्मान के लिए शुक्रिया!



सचमुच का बाढ़ी किया है जो गारा निभाता भी तो होगा!

साहसिक युद्ध में
हो की अखिर वृद्ध
की हार के बाद
साहसिक

द्वितीय के
लिए वृद्ध
का - साहसिक -

साहसिक में
अखिर वृद्ध
की हार के बाद
साहसिक

साहसिक में
साहसिक में

साहसिक में

साहसिक में
अखिर वृद्ध
की हार के बाद
साहसिक

थी!!!!

साहसिक!!



मुकुन्दजी का हाथ
मेरी कमर में था और
मुझे समझा कि मुकुन्द

मेरी
हड्डी

मुकुन्द

०५ बाराह ३१

मैंने हाथों से मुकुन्द को धक्का दिया
और वह नीचे गिरा



कामाख्या के
भीत भावों ने मेरा
मन ही कागज बना दिया

मुकुन्दजी का चेहरा
मेरी आँखों के सामने
थका था



मुकुन्दजी का चेहरा मेरी आँखों के सामने था

०६ मुकुन्दजी का चेहरा



मुकुन्दजी का चेहरा मेरी आँखों के सामने था
और मैंने हाथों से मुकुन्द को धक्का दिया
और वह नीचे गिरा

०७ मुकुन्दजी का चेहरा



०८ मुकुन्दजी का चेहरा



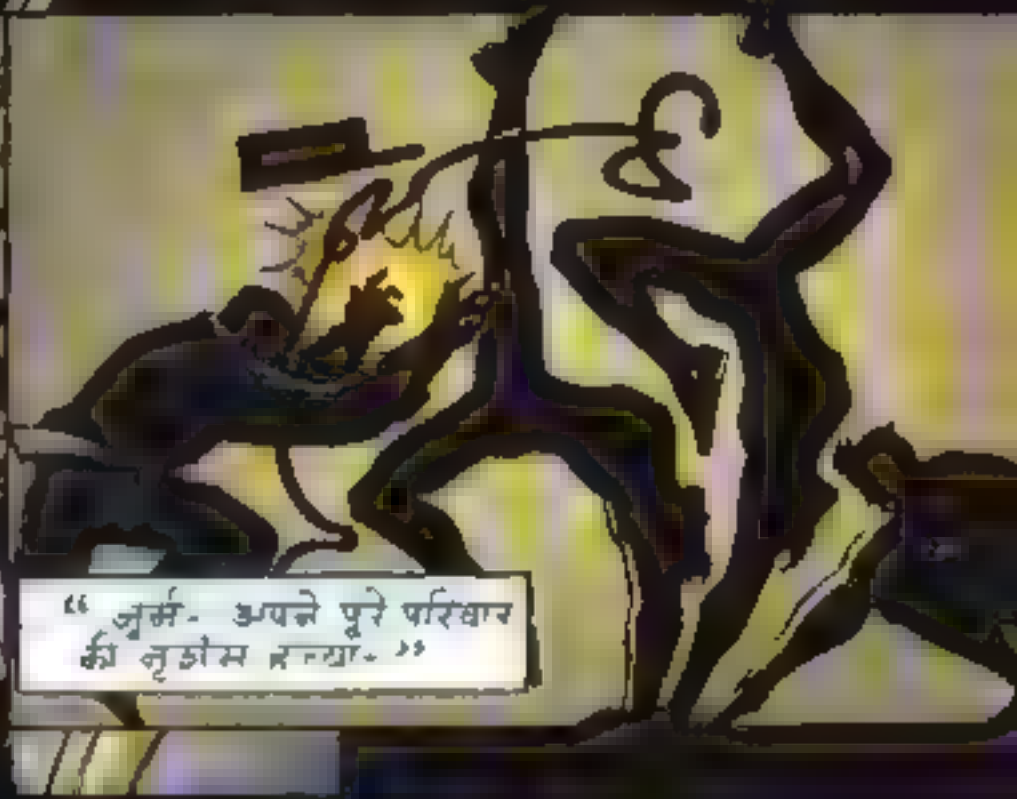
डिब्बों में नू
ही पैक होगा,
नागराज !



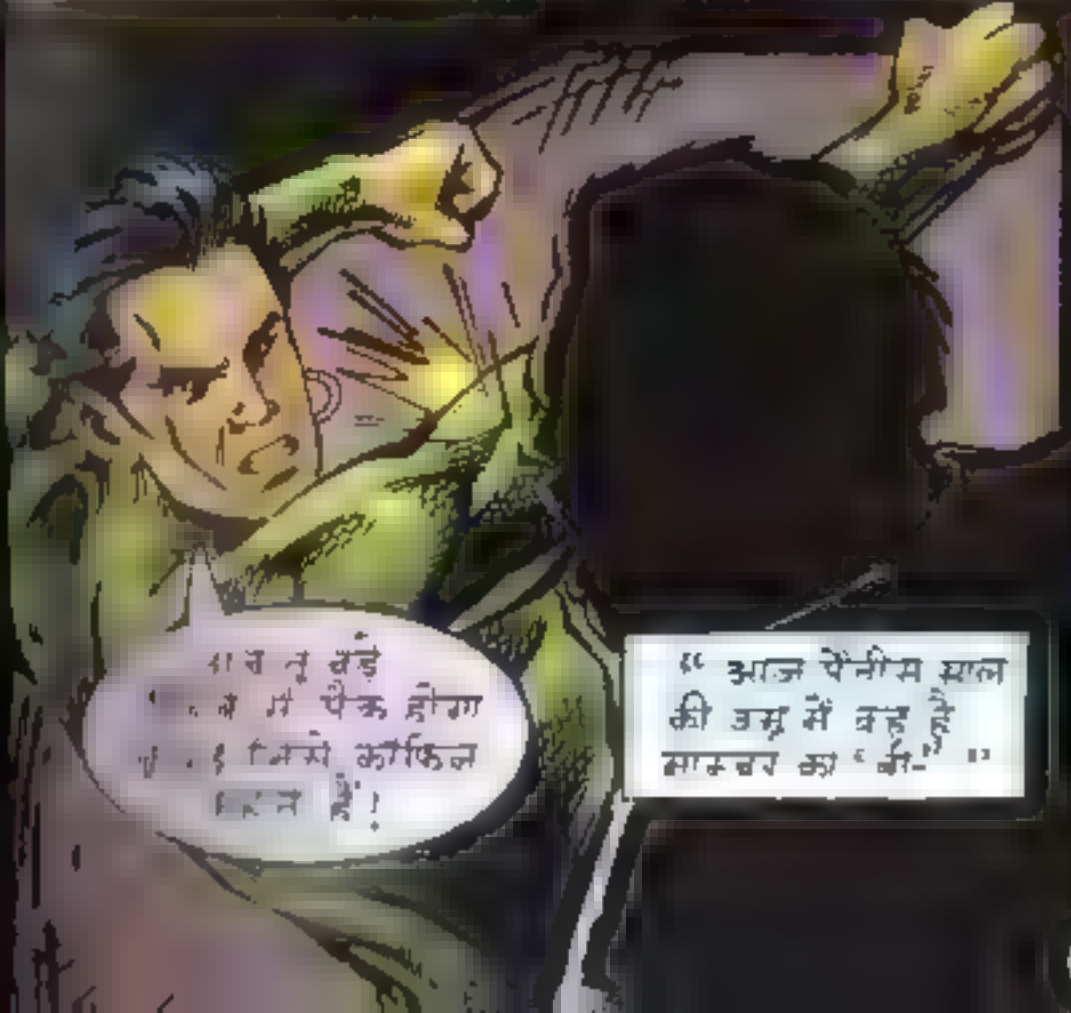
बूचड़ अब नू
चाहे नो अपने वज्र आदमियों
के दूकड़े करके उन्हे डिब्बों
में पैक कर सकना है.



" बारह साल की उम्र में बूचड़ पहली
बार जेल गया - "



" जूम- अपने पूरे परिवार
की लूटोम रन्या - "

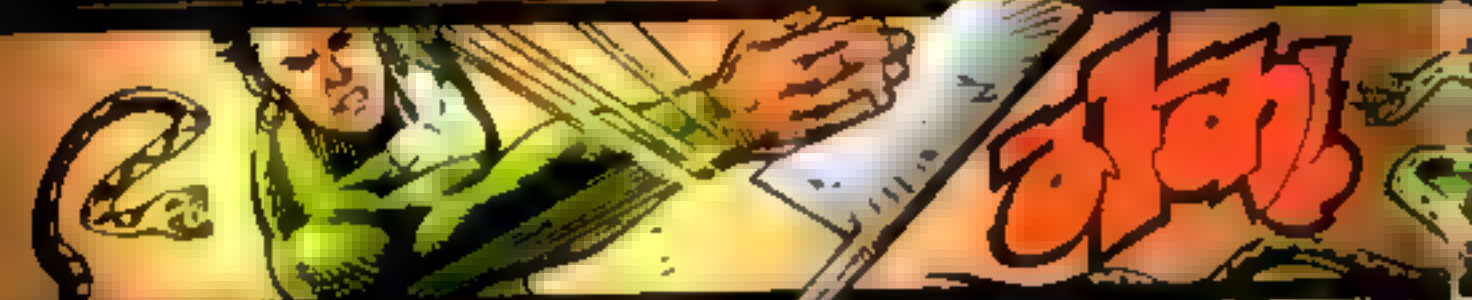


शिव नू बड़े
... में पैक होगा
... जिसे काफिल
... हैं !

" आज पेनीस माल
की उम्र में वह है
साबर का 'बी' - "



" कीमत रुक सी पेनीस
निर्वाण लोगों की हन्या - "



शुभान्न माह के नर
विष्णु इस दुष्ट के
कनक के रूप में
आने आए थे।

माह मा

माह मा
माह मा

माह मा
माह मा



उ न रहा
इसने कुछ कहा और
सो विष क कारण
विचल गयी



आज मैं तुम्हें देख
मैं तुम्हें देख रहा हूँ
क्यों तुम्हें देख रहा हूँ

कुछ दिनों तक,
आज तुम उठा करी मेरी
बादलों में उ कान ही
आ रहा

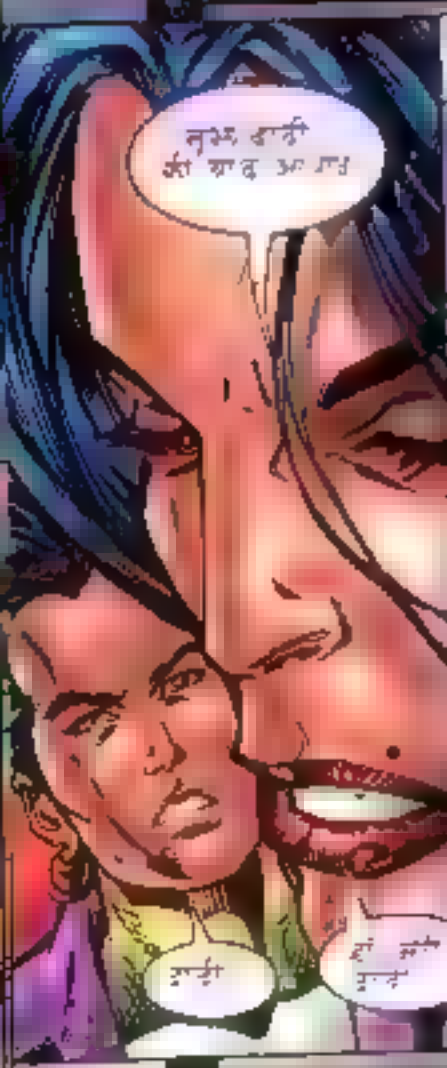


हो तुम्हें मना
कर कुछ कुछ कर
रुको न तुम्हें न रुको,
न हीन का न हीन मान
मान दो



आज तुम न
इसी इच्छा में आते

इसलिए
य विचल
गयी ? विष क
कारण ?



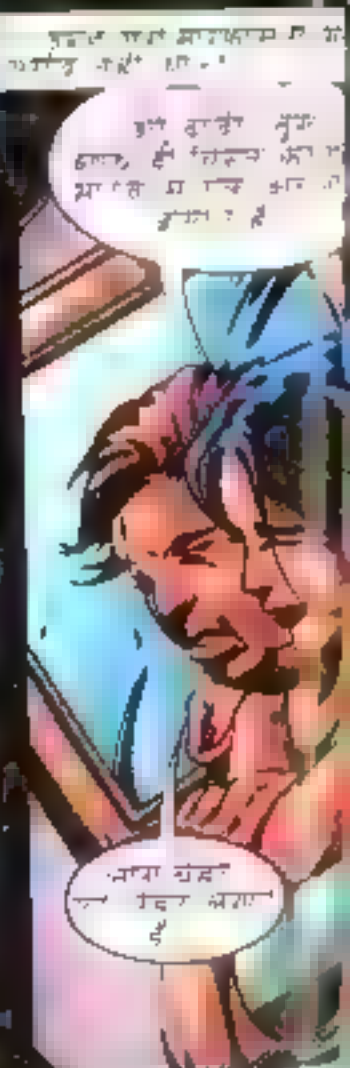
तुम्हें दर्द
की बात आ रही



हो तुम्हें दर्द की बात आ रही ?
तुम्हें दर्द की बात आ रही ?

आज तुम न
इसी इच्छा में आते
आज तुम न
इसी इच्छा में आते

आज तुम न
इसी इच्छा में आते
आज तुम न
इसी इच्छा में आते



आज तुम न
इसी इच्छा में आते
आज तुम न
इसी इच्छा में आते

आज तुम न
इसी इच्छा में आते
आज तुम न
इसी इच्छा में आते

आज तुम न
इसी इच्छा में आते
आज तुम न
इसी इच्छा में आते

Figure 1

आदमी का सामना की जाए बिना नहीं

आदमी का सामना
होगा जो तुम्हारे सामने
आवता है

पुकारा नहीं
होगा जो तुम्हारे सामने
आवता है

आदमी का सामना
होगा जो तुम्हारे सामने
आवता है

आदमी का सामना
होगा जो तुम्हारे सामने
आवता है

आदमी का सामना
होगा जो तुम्हारे सामने
आवता है

आदमी का सामना
होगा जो तुम्हारे सामने
आवता है

आदमी का सामना
होगा जो तुम्हारे सामने
आवता है

आदमी का सामना
होगा जो तुम्हारे सामने
आवता है

आदमी का सामना
होगा जो तुम्हारे सामने
आवता है

आदमी का सामना
होगा जो तुम्हारे सामने
आवता है


आदमी का सामना
होगा जो तुम्हारे सामने
आवता है

आदमी का सामना
होगा जो तुम्हारे सामने
आवता है

११. 'यस्य विदुः शक्तिः, तस्य च ज्ञानं विना न शक्यं न प्राप्तं न भवेत्'।

$$f(x) = \frac{f(x)}{1}$$

६. नाटक, अ. गीता २०
 १९९०-९१ में प्रस्तुत



"... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ..."

मैं ही हूँ, मैं ही हूँ ना ॥
तुम्हें क्या मालूम ?

मैं ही हूँ

[illegible]

एकदशम की ओर
होने लगे न सके दिन
गाने की हवा

ਗੁਰਮਤਿ ਸਾਹਿਬ
ਗੁਰਮਤਿ ਸਾਹਿਬ
ਗੁਰਮਤਿ ਸਾਹਿਬ

ये नुस्ते
सभी एयरपोर्ट
बैचों में आहुत है

हम
केनेडिआ जा
रहे हैं

इसलिए
क्या है

समस्या है कि
हम एयरपोर्ट पर नहीं जा
सकते हैं

हम एयरपोर्ट
पर नहीं जा सकते हैं

हम सब में से
एक है कि हम
एक ही जगह पर
हम सब में से

हम सब में से
एक है कि हम
एक ही जगह पर
हम सब में से

हम सब में से
एक है कि हम
एक ही जगह पर
हम सब में से

हम सब में से
एक है कि हम
एक ही जगह पर
हम सब में से

हम सब में से
एक है कि हम
एक ही जगह पर
हम सब में से

हम सब में से
एक है कि हम
एक ही जगह पर
हम सब में से



Figure 1

11. $\frac{1}{x^2} = x^{-2}$ $\frac{d}{dx} x^{-2} = -2x^{-3} = -\frac{2}{x^3}$

गण्डक में गण्डे लीलाओं
को उनके गाय विद्यान हुआ तब
की लीला में आकाश बनना होता

" नमः शिवाय नमः
नमः शिवाय नमः
नमः शिवाय नमः
नमः शिवाय नमः
नमः शिवाय नमः

ਮੁਕਤੀ ਦੇ ਮਾਰਗ ਨੂੰ ਭਾਲੋ
ਮੁਕਤੀ ਦੇ ਮਾਰਗ ਨੂੰ ਭਾਲੋ

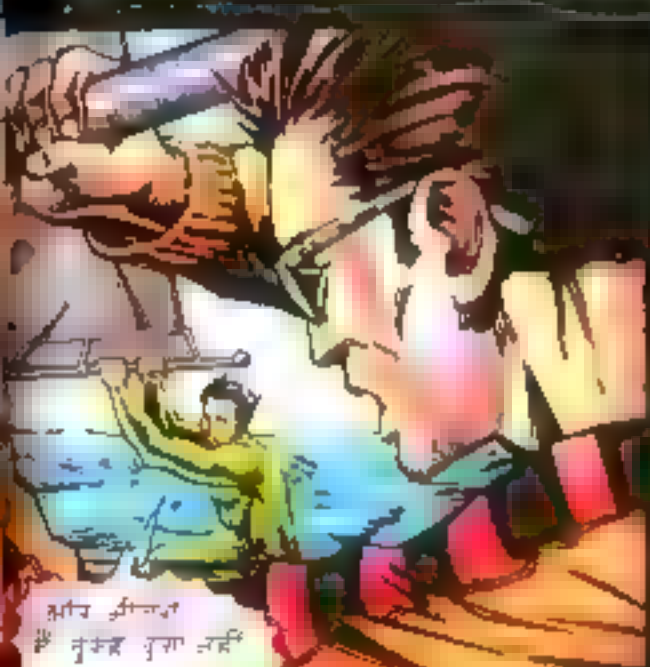
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

आपका है
आपका का निशान
मैं इसे पहचानूँ

मैं हूँ नरेश
मैं आपका नहीं हूँ, मैं
हूँ एक ऐसा व्यक्ति जो
मैंने अपना नाम

मुझे साकार करने
का फैसला किया

है, इस लड़के
को पहचान लें



आप ही हैं
जो मुझे बुरा नहीं



लोकेश की
शक्ति से आपका नाम
को पहचान लेना ही
होगा



“हम सब से पहले आगामी है”

“आप, लोकेश”

“साकार का प्रतीक”

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 कृपा सेना के लोग हैं
 मैं भी उन लोगों में हूँ जो
 उनके साथ हैं

उह भक्त
 अर्जुन भगवान् ॥ १ ॥

मैंने तुम्हें
 कहा था कि
 मैं मरूँगा

मैंने कहा कि मैं मरूँगा,
 लेकिन जब मैं तुम्हारे पास
 था तो मैंने सोचा कि मैं
 नहीं मरूँगा

३ कोर
 ४

अर्जुन

मैंने कहा कि मैं मरूँगा
 लेकिन जब मैं तुम्हारे पास
 था तो मैंने सोचा कि मैं
 नहीं मरूँगा

मैंने कहा कि मैं मरूँगा
 लेकिन जब मैं तुम्हारे पास
 था तो मैंने सोचा कि मैं
 नहीं मरूँगा



ओजी



“अब मेरा काम है बचाना
इसलिए मैं ही हूँ इस दुनिया का
रक्षक”



“इस दुनिया में मैं ही हूँ
इस दुनिया का रक्षक
+ मैं ही हूँ इस दुनिया का
रक्षक”

मैं ही हूँ
इस दुनिया का
रक्षक

“मैं ही हूँ इस दुनिया का
रक्षक”



मैं ही हूँ
इस दुनिया का
रक्षक



आज
मैंने

आज
मैंने
आज
मैंने

आज
मैंने

आज
मैंने

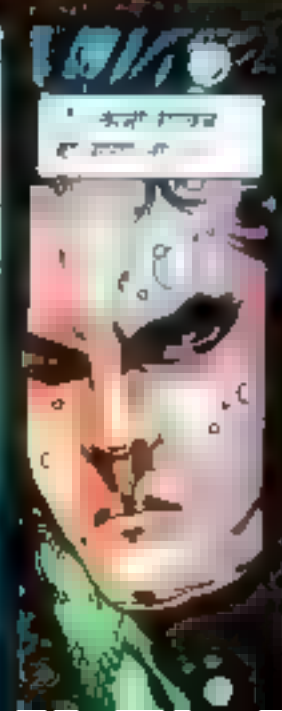


आज
मैंने
आज
मैंने

आज
मैंने



आज
मैंने



आज
मैंने



आज
मैंने



आज
मैंने



... ..

... ..

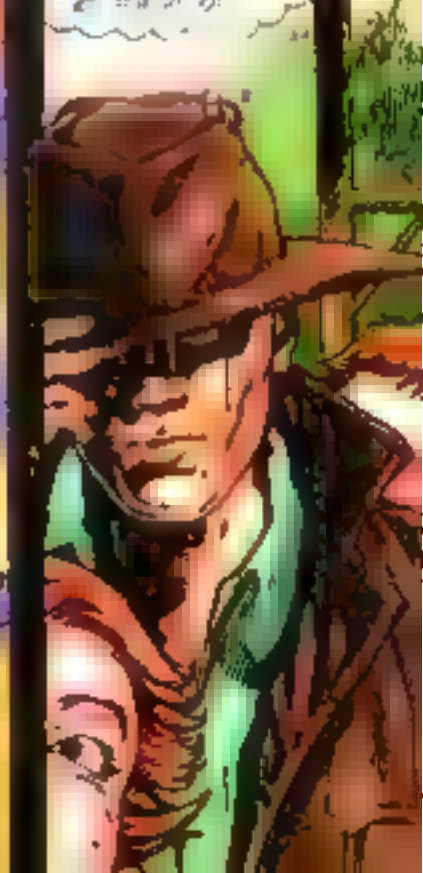
... ..



... ..



... ..



मिठा की चम्मच
हम हों चम्मच के बच्चे
हम चम्मच के बच्चे

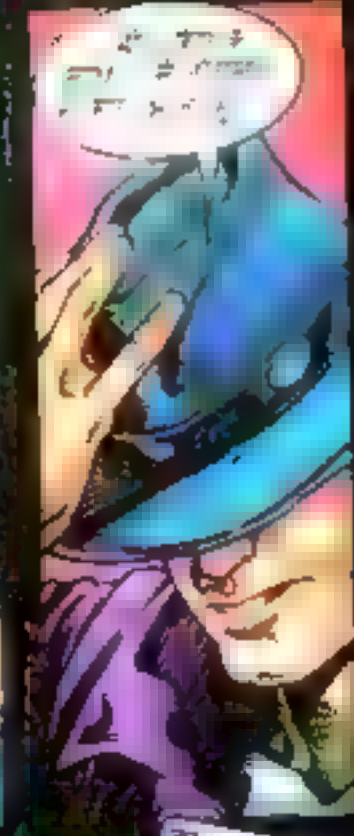
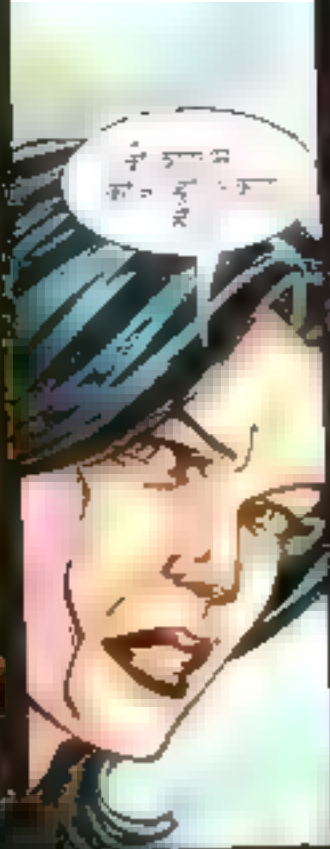
हम हों
चम्मच के बच्चे

रंग रंग अलखन ही रंग रंग में

लेखने जग
मरी है माया रंग
गुन हूँ मैं

क्या कहना है
आधी दुखने ही है जग ही
कि, उमर हिला : अंधारे में
महल में लगे है

हो कहा ही माया
मिठा व चम्मच के बच्चे की
उमर ही हों ही हों गुन रंग,
हो उमर ही माया में बच्चे में
गुन हूँ मैं



'साइलेंट क्लब'

'8 00 00'

साइलेंट क्लब
यहाँ तो सब कुछ है
जहाँ सब कुछ है
जहाँ सब कुछ है
जहाँ सब कुछ है

'उसने मुझे कहा कि मैं तुम्हें
एक बार देखूँ और फिर मैं
तुम्हें छोड़ दूँगा'

मैं तुम्हें
तुम्हें तुम्हें
तुम्हें तुम्हें
तुम्हें तुम्हें

"तुम्हें तुम्हें तुम्हें
तुम्हें तुम्हें तुम्हें"

साइलेंट क्लब
यहाँ तो सब कुछ है

तुम्हें तुम्हें
तुम्हें तुम्हें
तुम्हें तुम्हें
तुम्हें तुम्हें

तुम्हें तुम्हें
तुम्हें तुम्हें
तुम्हें तुम्हें
तुम्हें तुम्हें

तुम्हें तुम्हें
तुम्हें तुम्हें
तुम्हें तुम्हें
तुम्हें तुम्हें

तुम्हें तुम्हें
तुम्हें तुम्हें
तुम्हें तुम्हें
तुम्हें तुम्हें

तुम्हें तुम्हें
तुम्हें तुम्हें
तुम्हें तुम्हें
तुम्हें तुम्हें



सोना... एक... की...

हिंसा!!

यही...
...
...



...
...
...

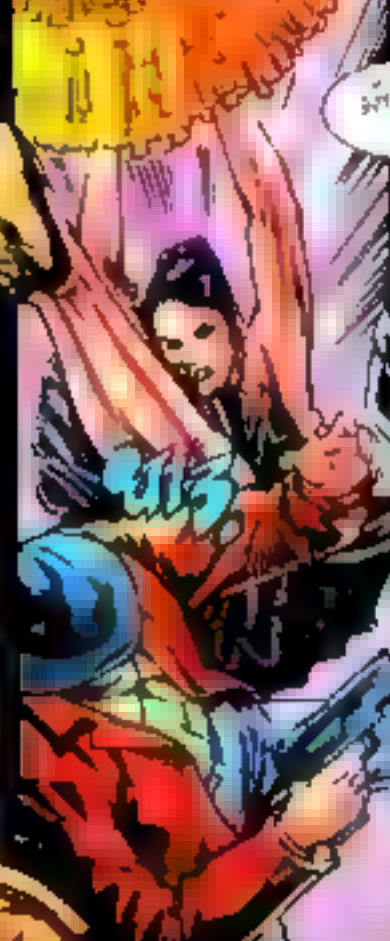
...
...



...
...
...



...
...
...



...

...
...
...

...
...
...



...
...



जानकारी मुझे
आ केन्द्र हुआ था
किसी के पास है

जो भी आप
सब लोग के सम्बन्धित
हैं, उसका पता



इस ही मुझे
सही है सम्बन्धित
आ और है वह सम्बन्धित
है, किन्तु सम्बन्धित
आ है

तुम्हें
अपमान हो



मैंने जो का
कुछों में बताया होगा
कि मैंने जो का
पता है सम्बन्धित
आ है

कुछ पता
ले जाना होगा कि
इसका सही सम्बन्धित
आ है कि मैंने बताया

इसका सही सम्बन्धित
आ है कि मैंने बताया

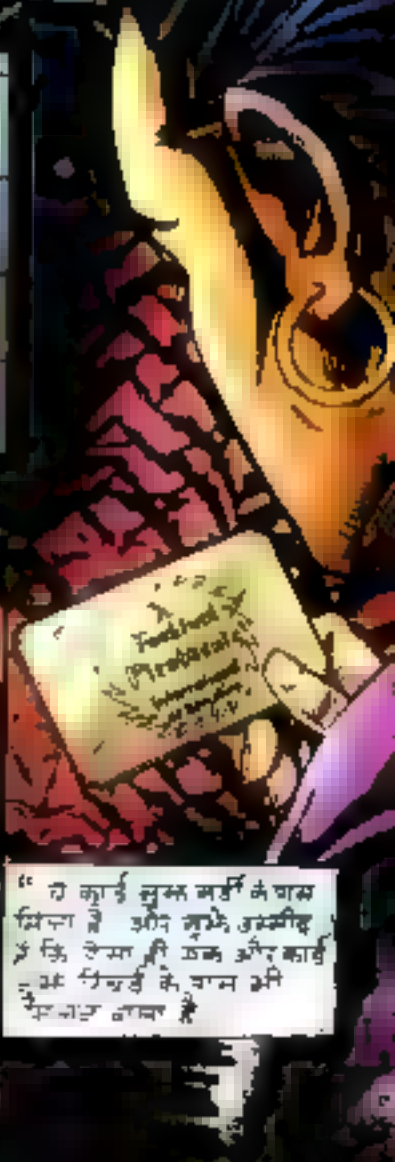


कुछ मैं जानता
किन्तु जो है सम्बन्धित
सम्बन्धित सम्बन्धित
आ है कि मैंने बताया



सम्बन्धित है कि
इसका सही सम्बन्धित
आ है कि मैंने बताया

आ सम्बन्धित है
इसका सही सम्बन्धित
आ है कि मैंने बताया



कुछ पता
ले जाना होगा कि
इसका सही सम्बन्धित
आ है कि मैंने बताया

"हो कुछ सम्बन्धित है
मैंने बताया है और मैंने बताया
है कि मैंने बताया है
आ है कि मैंने बताया है
मैंने बताया है

‘पहले कांड में कांड’ का
 कि सीपीएम का आकांक्षित
 1992 का कांड है

‘मुझे तो मैं ही जानता हूँ
 कि मैं किसके लिए हूँ
 मैं ही हूँ’

‘मैं ही कांड में शामिल हूँ
 मैं ही हूँ’

‘मुझे तो मैं ही जानता हूँ
 कि मैं किसके लिए हूँ
 मैं ही हूँ’

‘मुझे तो मैं ही जानता हूँ
 कि मैं किसके लिए हूँ
 मैं ही हूँ’

‘मुझे तो मैं ही जानता हूँ
 कि मैं किसके लिए हूँ
 मैं ही हूँ’





उक्त नोटिफिकेशन
नूतन कक्षा गृह नं. ३.
यु. ए. स्कूल, गंगा नदी किनारे
जिला, मु. ३०

है उदाहरण
साक्षात् सौ शतक कदाचित्
शक की मूल्य भूतिया है
है भय ध

३५५ ३५६

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

ਸਲੋਕ ਕੁਟਾਂਬੈ
ਸਾਭੇ ਨੂੰ ਫਲ ਸਦਾ
ਲਾਗਤਾ ਸੁਖ ਤੇ ਭਾਜਨ
ਸੀ, ਸਾਭੇ

[illegible]


... इति वा कर्म कृते भूते अत्र प्रसङ्गः
न च कर्म कृतं वा कर्म कृतं अत्र प्रसङ्गः
कर्म कृतं वा कर्म कृतं अत्र प्रसङ्गः
कर्म कृतं वा कर्म कृतं अत्र प्रसङ्गः

ਸਾਹਿਬ ॥ ੩ ॥
ੴ ਸਾਹਿਬ ॥ ੩ ॥

ਸੁਆਮੀ ਜੀ ਮੇਂ
ਸਾਨੂੰ ਸੋ ਸਾਫ਼ਤਾ ਦੇ
ਸਾਹਿਬਾਨਾਂ ਦੇ ਹਿਰਦਾ
ਮੇਂ ਰੱਖਣਾ ਸਾਫ਼

३६ :-
३७ :- ३८ :-

2

[illegible]

मैं तुम्हारे साथ
होना चाहता हूँ।

तुम्हारे साथ
होना चाहता हूँ।

मैं तो आप
 को ही समझा
 था कि

मैं उम्मीद की
 निगाहों में ही
 देखता हूँ

१३३३ ॥ १३३३ ॥
 १३३३ ॥ १३३३ ॥

१३ डि. ६. १८८८
२५ ६ ३३ १८८८

$$2 \cdot \frac{1}{2} \cdot \frac{1}{2} = \frac{1}{2}$$

$$\frac{1}{2} \cdot \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$$

बालाशङ्करी जिनम
१. बालाशङ्करी जिनम
२. बालाशङ्करी जिनम
३. बालाशङ्करी जिनम
४. बालाशङ्करी जिनम

आपका जीवन है
आपका ही है

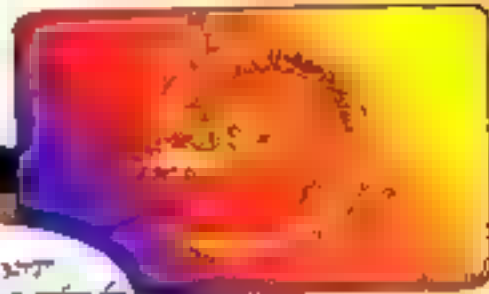


० म दूरा है
 तुमने जिसे बना है वह
 बहुत ही कम है तुमने जो बना है
 जो बहुत ही कम है तुमने बना है



जहाँ तक
 तुम्हारे कि जहाँ

जहाँ तक
 तुम्हारे कि जहाँ

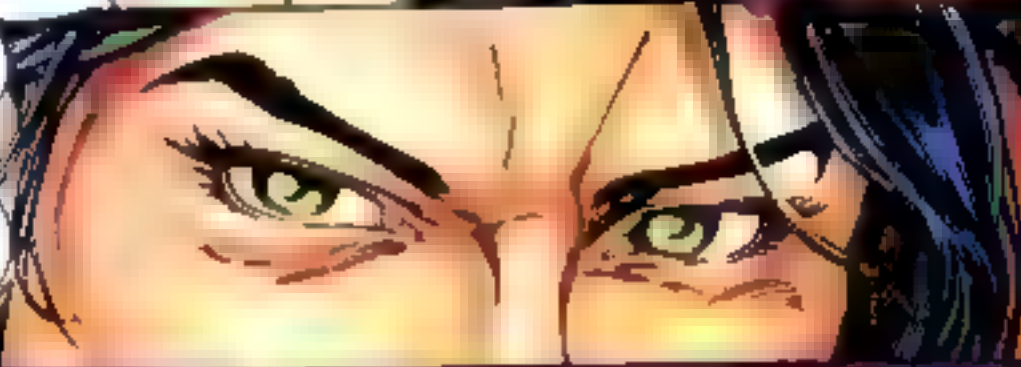


जहाँ तक
 तुम्हारे कि जहाँ

जहाँ तक
 तुम्हारे कि जहाँ

जहाँ तक
 तुम्हारे कि जहाँ

जहाँ तक
 तुम्हारे कि जहाँ



जहाँ तक
 तुम्हारे कि जहाँ

जहाँ तक
 तुम्हारे कि जहाँ





मारकोस साडा
का बग धरकर बोल
रहा है:

नहीं
मारकोस!

वास्तव में साडा
में कोई है ही नहीं! वो
केवल एक आवरण
है! एक नाम!

और साडा
का केवल नाम ही
नागराज से जुड़ा है!

और वो नाम!
मारकोस के मांस
नहीं मरेगा!

नागराज साडा को
हमें डा प्रोटेक्ट करेगा!

वो जिन्दा
रहेगा मारकोस!

नागराज के
दिल में

क्योंकि वार्ड
साडा में नहीं, मारकोस
में है!

और उस पल नागराज ने साडा की आंखों को भीगने लग देखा था-

नागराज ने प्रेजीडेंट की
हत्या की साजिश को
भाकास कर दिया था-

मगर उसका खूनी सफर कभी खत्म
नहीं होने वाला था-

क्योंकि अभी उसे मारकोस की
मारकोस को प्रेजीडेंट की मुफारी
देने वाले की -

24 माल



प्यारे नागराज प्रेमियों,

न्यूमेरो ऊनो आपके हाथों में है। अजब है आपको नागराज का यह सस्पेंसकुल स्पेन एडवेंचर पसंद आया होगा। नागराज खुप कर दिया स्पेन में माम्बर का आतंक और साथ ही साथ हुआ मारकोस भी। मारकोस उर्फ साशा: एक खुशमूरत बला जियने अपने चालाकी से नागराज की आंखों में भूल डीकनी चली लेकिन नागराज उहरी नागराज। वह साशा को बहुत पहले की बलिष्ठ पहली मुलाकात में ही पहचान गया था। होथों के ऊपर फालतु तिल लिए, हरी आंखों वाली यह बला अपनी चालों पर मन ही मन बहुत खुश हो रही होगी कि नागराज जैसे शत्रु को येवकफ बना रही है और अपना काम निकलवा रही है। वो भी विश्व आतंकवादहली नागराज को अपना खोदी गई बनाकर। लेकिन नागराज तो खुद उसकी चाल पर अपनी चाल खेल रहा था। वो खुद उसके सहारे माम्बर के सभी सदस्यों तक पहुंच रहा था और अंत में नागराज ने अपना काम बखूबी निभाया। माम्बर का सफाया हुआ। मारकोस हुई नागराज के उहरी से नीची। लेकिन क्या इतनी आसानी से मर गई होगी वो खुशमूरत बला। बलाएँ मरा नहीं करती। साशा फिर लौरेगी। कब, कैसे, किस रूप में? वह अभी नहीं बता सकता। आज दिनांक 16.02.08 को यह ग्रीन पेज लिख रहा हूँ। आशा करता हूँ कि 26.02.08 तक यह कॉमिक्स मार्केट में पहुंच जाएगा। अब **वर्ल्ड टेरोरिज्म सीरीज** की अगली कॉमिक्स होगी **अप्रिशन सर्जरी** जोकि मार्च में रिलीज होगी। **अप्रिशन सर्जरी** में नागराज जा रहा है लंदन। हालांकि नागराज को निकलना या इटली के लिए लेकिन स्पेन एयरपोर्ट पर नागराज का सामना हुआ एक ऐसे शत्रु से जिसके कारण नागराज को अपना इटली सफर पोस्टपोन करना पड़ गया और उसे एयरजैसी में जाना पड़ा लंदन क्योंकि लंदन में हुआ एक आतंकवादी हमला। उस आतंकवादी हमले का अंशोरी बना एक हिंदुस्तानी डॉक्टर। पूरे विश्व में हिंदुस्तानी डॉक्टरों को शक की निगाहों से देखा जाने लगा। हिंदुस्तानी डॉक्टर को था चौख-चौखकर अपने घरे को निदीपित की गृहार लगायी है पर हर कान है बहरी। नागराज के कान उस हिंदुस्तानी भा की फरियाद सुनते हैं। वो उसकी आवाज को अपने दिल से यहसूस करता है और लंदन में निरंतर जारी आतंकवादी डॉक्टरों के हमलों के बीच कूद पड़ता है। क्या नागराज अपने दिल से यहसूस करता है और लंदन में निरंतर जारी आतंकवादी डॉक्टरों के हमलों के बीच कूद पड़ता है। क्या नागराज हिंदुस्तानी डॉक्टर को निदीप साबित कर सका? यह जानेगे आप सस्पेंस, एक्शन, एडवेंचर से भरपूर कॉमिक्स **अप्रिशन सर्जरी** में।

अब बात करते हैं **नागाधण सीरीज** की। इस सीरीज की पांचवी कॉमिक्स **तहन काण्ड** का आर्टवर्क अनुपम जो पूरा बना चुके हैं। कॉमिक्स पर डीकिंग व कलरिंग जारी है। कलानी बहुत जबरदस्त ढंग से अपने राज खोल रही हैं और नए राज भी बनाए जा रही हैं। विषाज टकरा गया है क्रुफशा से। क्या नागराज ब्लैकपॉवर पर भारी पड़ेगी? नागराज से टकरा गया ब्लैकबुड और नागराज की रक्षा के लिए आना पड़ा जेन को। तो क्या नागराज एक बार फिर ब्लैकपॉवर का गुलाम बन गया? ब्लैक कैट और नताशा से टकराने जा रही है एक शक्तिशाली पाँवर। जो हां उनके सामने आ खड़ी हुई है ममी। ऐसे और भी बहुत सी रोमांचक मिचुएरान से आप दो बार होने जा रहे हैं अप्रिल में। **तहन काण्ड** के पश्चात् **नागाधण सीरीज** का छठा पार्ट होगा **रण काण्ड**। **रण काण्ड** के विषय में आपको आगामी ग्रीन पेज में बताऊंगा।

बोर्न इन ब्लड। सो जा डोगा इसी सेंट की साथ प्रकाशित हुई है। वह जीन पार्ट की सीरीज का अंतिम पार्ट है। इसके बाद शुरू होने जा रही है वफा सीरीज जोकि दो पार्ट्स की सीरीज है। वफा के बाद जानी थी डोगा हिंदू है सीरीज लेकिन इस सीरीज से पहले कुछ बदलाव किया गया है अब वफा सीरीज के बाद आएगा एक्सप्रेस हाइवे सीरीज। इस सीरीज में डोगा का मुकाबला होगा अपनी जिंदगी रात पर लफट देने वालों युवा पीढ़ी से। जो रफ्तार के आगे जिंदगी की कीमत नाश्व समझते हैं। रफ्तार में जो मजा है वो जीवन में नहीं है क्योंकि उनके जीवन में उनके माता-पिता की व्यस्तता ने जहर भोल दिया है। अब रफ्तार और एक्सप्रेस हाइवे हो उनके माता-पिता है और वाइक्स है उनके प्रेमी-प्रेमिका जिस पर चिपककर वह अपने माता-पिता को चुनौती दे रहे हैं। कॉमिक्स की अंतिम किरदार है धारा। धारा एक मामूली लड़की इस कॉमिक के डोगा की जिंदगी के एक महाखलनायक सरकार की बेटी। सरकार जोकि डोगा की पर्सलियों पर वार करता है और डोगा भौचक्का से देखते रहने के सिवाय कुछ नहीं कर पाता। यह महाखलनायक मुम्बई के युवा वर्ग को मौत के कणों में धकल जा रहा है लेकिन प्रशासन और डोगा बचकुर है। उसके खिलाफ कुछ नहीं कर सकते। ऐसी ही शक्तिमय है सरकार। सरकार की बेटी धारा जब अपने पिता के खिलाफ कावत का विमुख बजाती है तो मान्य कला से बन जाती है बिजली। तब डोगा है एक जानजला। क्या डोगा उन जलजले को रोक पाता है? जानिए आप एक्सप्रेस हाइवे में।

प्रिय पाठक मित्रों इस वर्ष जनवरी में राज कॉमिक्स ने आयोजित किया राज कॉमिक्स टेलेंट हंट फॉर द जेनरेशन नेक्स्ट राइटर्स। जिसमें राज कॉमिक्स वेबसाइट के बहुत से मेम्बर ने हिस्सा लिया और ये सभी फैन्स दिल्ली पहुंचे। जनवरी 25, 26, 27 में राज कॉमिक्स, विल्ली में लफट फैन्स का मेला। मैं यहां इनकी लम्हों को कुछ गम्यो दे रहा हूँ। जिनमें राज कॉमिक्स फैन्स के साथ है राज कॉमिक्स आर्टिस्ट की टीम।





यह पत्र हमें आप इस पल पर धर्म : ग्रीन पेज नं. 268, राजा फौजदर बुक्स, 330/1 बुराही, विल्ली-84
 ग्रुप पर अपनी पोस्ट आप www.rajcomics.com पर करें।

धन्यवाद

आपका-संजय गुप्ता
 GREEN PAGE NO. 268



<http://onlineindiancomics1.blogspot.com>